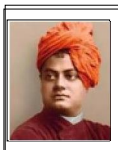

मैं उस प्रभु का सेवक हूँ जिसे अज्ञानी मनुष्य कहते है
स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लॉग इन करें https://dainikyashonnati.com एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+16 अंक101 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी सोमवार 25 दिसंबर 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-3 संपादकीय एवं प्रदेश समाचार | पृष्ठ-3 सिवनी /बालाघाट समाचार | पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

अयोध्या से आया निमंत्रण, पूरा जिला राममय

सिवनी यशोः- जन जन की आस्था के केन्द्र राष्ट्र की आत्मा भगवान श्रीराम की जन्मभूमि में भगवान श्रीराम का मंदिर निर्माण वर्तमान सनातन पीढ़ि के लिये सौभाग्य का वह क्षण है जिसके लिये सनातन समाज के पूर्वजो बीते पाँच सौ वर्षो में अनेक संघर्ष किये आज वह क्षण बिल्कुल नजदीक आ गया है जब भगवान श्रीराम अपने परिवार सहित भव्य मंदिर में बिराजमान होंगे । भारत वर्ष के हर कोने में उत्साह और भक्ति का वह ज्वर दिखाई दी रहा है जिसकी कोई सीमा नहीं है । सिवनी जिले में भी हर गांव गांव में नगर के वार्डो में अयोध्या से आये हुये निमंत्रण के निमित्त पूजित पावन पवित्र अक्षत कलश के दर्शन पूजा और अनेक धार्मिक आयोजनों की धूम मची हुई है । जिले के सुदूर ग्रामीण अंचलो, नगरो एवं कस्बो में इस समय भगवान राम के जयघोष गुंजायमान हो रहे है ।

भगवान श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठ महोत्सव के निमंत्रण के निमित्त पूजित पावन पवित्र अक्षत कलश मंदिरो जिले के गांव गांव वार्ड वार्ड के मंदिरों में राम भक्तों की टोलियाँ धूमधाम से लेकर जा रही है । इस समय जिले के हर क्षेत्र में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन को लेकर भारी उत्साह का वातावरण बना हुआ है । अयोध्या से आये हुये अक्षत कलशों को मंदिरों रखकर दर्शन और पूजा के साथ हनुमान चालीसा, रामरक्षा स्त्रोत, हनुमान जी की आरती, भगवान राम की स्तुति, सुंदरकांड सहित अनेक तरह के आयोजन किये जा रहे है । अक्षत कलशों को बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ एक मंदिर से दूसरे मंदिर लेकर जाने वाली टोलियाँ बाजे गाजे के साथ गगनभेदी जयघोषों के साथ नाचते गाते हुये कलश लेकर जा रहे है ।

आयोजन स्थलों पर निमंत्रण गीत बजाया जा रहा है और इस निमंत्रण गीत को दोहराया भी जा रहा है । अक्षत कलश पूजन में जिस तरह का उत्सा है वह दिखते ही बन रहा है इस उत्साह में हर उम्र के व्यक्तियों की बड़ी उपस्थिती दिख रही है । जहाँ बुर्जुग इस बात से गौरांवित है कि उन्होंने राम मंदिर के चले आंदोलन में सहभागिता की थी तो बच्चे महिलाएँ अपने आराध्य श्रीराम का भव्य मंदिर बन जाने से प्रसन्न है ।

अक्षत कलश लेजाने के लिये सभी मंदिर क्षेत्रों की टोलियाँ अपनी बारी का इंतजार करते है और सब एकत्रित युवक-युवतियां, महिलाएं, पुरुष व बच्चे सब हाथ में ध्वजा लेकर संगीत की धुन पर जय श्रीराम का नारा लगाते हुए नाचते गाते शामिल हो रहे थे। शोभा यात्रा में जय श्रीराम के नारे गूंजते रहे। आज सिवनी नगर के सुभाष वार्ड सुनारी मुहल्ला के रामभक्तों ने भगवान श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के निमंत्रण के निमित्त पूजित पावन पवित्र अक्षत कलश शोभा यात्रा निकाली है और अक्षत कलश को शिव मंदिर में रखकर पूजन अर्चन कर भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किये । महिलाएँ अक्षत कलश सिर पर रखकर भक्तिभाव से नाच हुये प्रसन्नता व्यक्त कर रही थी ।

आज भाजपा कार्यालय में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई की मनायी जायेगी जयंती

सिवनी यशो :- भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री भाजपा के पितृ पुरुष श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई का जन्म दिवस दिनांक 25 दिसंबर को प्रतिवर्षानुसार सुशासन दिवस के रूप में पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी कार्यक्रम करती है साथ ही साथ अन्य कार्यक्रम भी इस दिन आयोजित किये जाते है ।

जिला भाजपा सिवनी द्वारा पंडित अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती पूरी गरिमा के साथ जिले भर मनायी जायेगी । सिवनी जिला मु यालय का कार्यक्रम भाजपा जिला कार्यालय पंडित अटल बिहारी बाजपेयी परिसर बारापत्थर में मनाया जायेगा । पंडित अटल बिहारी बाजपेयी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व साहित्य गोष्ठी का आयोजन किया गया है ।

काव्य पाठ एवं बूथ कार्यकर्त्ताओं का स मान

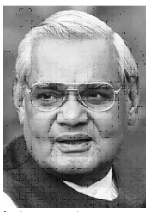

भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज मर्दन त्रिवेदी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि श्रद्धेय अटल जी की जयंती पर 25 दिसंबर

को दोपहर 2 बजे भाजपा जिला कार्यालय में कवि स मेलन एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का स मान कार्यक्रम आयोजित किया गया है। प्रेरक काव्य पाठ करने के लिये साहित्य के पुजारी रमेश श्रीवास्तव ÷चातक÷ , जगदीश तपिश, डॉ. रामकुमार चतुर्वेदी, डॉ. अरविन्द ÷मानव÷ , श्रीमती अंबिका शर्मा, नरेन्द्रनाथ ÷चट्टान÷ , संजय जैन ÷संजू÷ की गरिमामय उपस्थित हो रहेगी । काव्य श्रंखला के पश्चात वार्ड एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का स मान किया जाएगा। अंत मे सभी उपस्थित जन सामूहिक भोज करेंगे ।

कार्यक्रम में यह अतिथि रहेंगे उपस्थित

इस जन्म जयंती कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष आलोक दुबे, सिवनी से भारतीय जनता पार्टी के लाडले विधायक दिनेश राय मुनमुन , पूर्व खनिज मंत्री प्रदीप जायसवा रहेंगे। इसके साथ ही मु य अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष वेद सिंह ठाकुर, पूनम चंद सोनी, प्रहलाद पटेल कोनियापार, संतोष अग्रवाल,नरेन्द्र टाँक, ओम दुबे, देवराज बघेल की उपस्थिति रहेगी। इस संपूर्ण कार्यक्रम के लिए जिला भाजपा की ओर से तरुण टाँक मुनिया एवं निरंजन मिश्रा को कार्यक्रम का प्रभारी बनाया गया है।

भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष अभिषेक दुबे, संजय सोनी, रामजी चंद्रवंशी, अनिल बघेल ने सभी जनमानस एवं कार्यकर्ता बंधुओ से कार्यक्रम में उपस्थित की अपील की है।

अटल जी की जयंती पर आज भारत माता की महाआरती एवं अखिल भारतीय कवि स मेलन

पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय पंडित अटल बिहारी वाजपेई जी की जयंती पर विशेष आयोजन

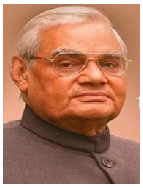

सिवनी यशोः-भारतीय राजनीति के अजात शत्रु कहे जाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री श्रेध्यय पंडित अटल बिहारी वाजपेई जी की 99 जयंती के अवसर पर भारत माता की महाआरती एवं अखिल भारतीय कवि स मेलन का आयोजन किया गया है भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्य समिति सदस्य भाजपा आयोजन कर्ता सुजीत जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन को गांधी चौक शुक्रवारी बाजार में 25 दिसंबर 2023 को शाम 7:00 बजे से आयोजित किया जाएगा ।

जिसमें सिवनी जिले से ही नहीं अपितु अन्य जिलों से भी महा आरती एवं विराट कवि स मेलन में स मिलित होंगे जिला साहित्य मंच के अध्यक्ष डॉ टर रामकुमार चतुर्वेदी एवं सचिव रमेश श्रीवास्तव चातक ने बताया कि महा आरती में शामिल होने वाले लोगों का तिलक वंदन पुष्पवर्षा डी पी चतुर्वेदी विधि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा किया जाएगा कार्यक्रम में शामिल महिलाओं के बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है ।

आयोजन समिति ने बताया कि इस अखिल भारतीय कवि स मेलन का संचालन दिनेश देहाती महाराष्ट्र , आजाद वतन वर्मा सतना , भंवर सिंह धांसू छिंदवाड़ा , विनोद विद्रोही नागपुर , मुकेश मनमौजी छपारा , अ बिका शर्मा सिवनी , विनोद सनोडीया अंजान अमरवाड़ा , रमेश श्रीवास्तव , जगदीश तपीश सिवनी

का समावेश किया गया है इस आयोजन को सफल बनाने की आग्रह गणेश गुप्ता नटराज होटल एवं संजय जैन संजू की है आयोजन शाम 7-00 बजे से रात्रि 10-00 बजे के मध्य आयोजन किया जाएगा अंत श्रोता बंधु समय का विशेष ध्यान रखें आयोजन समिति ने समस्त नागरिकों से समय पर अपना स्थान ग्रहण करने का निवेदन किया है

मोहन सरकार के मंत्री मंडल का विस्तार सोमवार को

सिवनी से मिल सकती है बड़ी जि मेदारी

सिवनी यशोः- मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर लंबे समय से इंतजार किया जा रहा है ।अब कैबिनेट के गठन को लेकर रास्ता साफ हो गया है । जानकारी के अनुसार सोमवार को मध्य प्रदेश दोपहर 3:30 बजे राजभवन में विधायक मंत्री पद की शपथ लेंगे. दिल्ली में चले लंबे मंथन के बाद मंत्रियों की सूची को अंतिम रूप दे दिया गया है ।

सीएम मोहन यादव कई दिनों से लगातार दिल्ली जा रहे थे. उन्होंने इस बीच पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की. दिल्ली में चले लंबे मंथन के बाद कैबिनेट के नामों पर अंतिम मुहर लगाई गई है । बताया जा रहा है कि मु यमंत्री मोहन यादव का मंत्रिमंडल बहुत नये स्वरूप का हो सकता है । मंत्री मंडल के स्वरूप को लेकर अनेक तरह की अटकले रही है । तीन बार मंत्री रह चुके विधायक मंत्री पद से वंचित रहेंगे, नये चहरो को अवसर दिया जायेगा,

दो बार से अधिक बार निर्वाचित हुये ऐसे विधायक जो मंत्री पद से वंचित रहे है उन्हें अवसर दिया जायेगा, हर लोकसभा से एक मंत्री बनाने की अटकले सामने आते रही है । सोमवार को हो रहे मंत्रीमंडल विस्तार से स्पष्ट हो जायेगा कि मोहन सरकार के मंत्रीमंडल में किसे मंत्री बनाया जाता है ।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के परिणाम घोषित हुए करीब 20 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हो सका है. इस बीच कई नामों को लेकर चर्चा हैं। सोशल मीडिया पर कई विधायकों के नाम की सूची वायरल हो रही है, जिन्हें मोहन कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है. राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राज्य के मंत्रिमंडल में नए और पुराने चेहरों का समावेश नजर आएगा. वहीं जातिगत समीकरणों को साधने की भी भरपूर कोशिश की जाएगी.

फिलहाल किन विधायकों को मोहन कैबिनेट में शामिल किया जाएगा और किन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा, इसे लेकर सस्पेंस बरकरार है. कल शपथ ग्रहण के दौरान ये तस्वीर साफ हो जाएगी ।

बालाघाट लोकसभा से कुल चार भाजपा के विधायक निर्वाचित हुये है जिसमें दो बालाघाट एवं दो सिवनी जिले से है सिवनी जिले से निर्वाचित दोनो विधायक तीसरी बार निर्वाचित हुये है जबकि बालाघाट से निर्वाचित दोनो विधायक पहली बार विधायक निर्वाचित हुये है । सिवनी जिला मु यालय से दिनेश राय मुनमुन ओबीसी वर्ग से है तो बरघाट विधानसभा से निर्वाचित कमल मर्सकोले अनुसूचित जनजाति वर्ग से है । अनुमान लगाया जा है कि सिवनी जिला पिछले बीस वर्षो से मंत्री विहीन रहा है जिसे मोहन सरकार के मंत्री मंडल में स्थान मिलने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता ।

जिला पंचायत उप चुनाव में प्रत्याशी चयन के लिये कांग्रेस ने समिति गठित

सिवनी यशोः- जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा, जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 01 में हो रहें (उपचुनाव) के लिये ''कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी चयन'' हेतु समिति का गठन किया गया है, समिति में संयोजक- शिवराम सनोडिया उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी, सह-संयोजक- सूर्यनारायण सिंह बघेल अध्यक्ष जिला कांग्रेस पंचायती राज प्रकोष्ठ, सदस्य- देवीसिंह चन्द्रवंशी उपाध्यक्ष जनपद पंचायत सिवनी, विपतलाल उइके अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस कमेटी बखारी, हरि जायसवाल अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस कमेटी बंडोल, पंडित लोकेश शु ला अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस कमेटी मुंगवानी, भीष्मप्रताप सिंह अप्पू ठाकुर सदस्य जनपद पंचायत सिवनी, जियन कुंजाम जनपद सदस्य, लोकेश ठाकुर जंघेला जनपद सदस्य को प्रत्याशी चयन समिति में रखा गया है।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार खुराना ने जिला पंचायत वार्ड क्रं 01 के लिए, प्रत्याशी चयन समिति से कहा है कि 24 दिस बर 2023 की शाम 5 बजे तक जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी में आप अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

पार्षद रामेश्वर बंजारा ने वार्ड में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

छपारा यशोः - नगर परिषद छपारा के द्वारा नगर के वार्ड नं 10 विवेकानंद वार्ड में नाली निर्माण का कार्य चल रहा है जिसे वार्ड पार्षद रामेश्वर बंजारा द्वारा समय समय पर प्रगतिरत कार्य का निरीक्षण किया जाता है जिससे कि निर्माण कार्य सही हो और वार्ड में निवासरत लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जबरन नॉलेज

गीता सबसे पवित्र और मानव जाति का उद्धार करने वाला ग्रन्थ हैं - पंडित जानकी बल्लभ मिश्रा

गीता परिवार द्वारा गीता जयंती मनायी गयी

सिवनी यशोः- गीता केवल हिन्दू स यता को मार्गदर्शन नहीं देती. यह जाति वाद से कही ऊपर मानवता का ज्ञान देती हैं. गीता के अठारह अध्यायो में मनुष्य के सभी धर्म एवं कर्म की आचार संहिता है गीता । विश्व की एक मात्र पुस्तक है जिसकी जयंती मनायी जाती है और यह जयंती इस लिये मनायी मनायी जयंती है योकि इसका जन्म हुआ भगवान श्रीकृष्ण ने इसका उपदेश कुरूक्षेत्र में अर्जुन को दिया था । इसमें सत युग से कल युग तक मनुष्य के कर्म एवं धर्म का ज्ञान हैं. गीता के श्लोको में मनुष्य जाति का आधार छिपा हैं. मनुष्य के लिए या कर्म हैं उसका या धर्म हैं. इसका विस्तार स्वयं कृष्ण ने अपने मुख से कुरुक्षेत्र की उस धरती पर किया था । उसी ज्ञान को गीता के पन्नो में लिखा गया हैं, यह सबसे पवित्र और मानव जाति का उद्धार करने वाला ग्रन्थ हैं । इस आशय की बात गीता परिवार सिवनी के संरक्षक पंडित जानकी बल्लभ मिश्र ने गीता परिवार महिला मंडल द्वारा महावीर व्यायामशाला भैरोंगंज में आयोजित गीता जयंती के कार्यक्रम में अपने सारगर्भित संबोधन में कही। पंडित जानकी बल्लभ मिश्रा

ने अपने संबोधन में कहा कि गीता के महत्व और गीता की श्रेष्ठता पर प्रवचन आज का विषय नहीं है आज का दिन गीता परिवार के लिये एक संकल्प लेने का अवसर है और आज यह संकल्प ले कि भगवत गीता के पठन पाठन को ऐसी व्यापकता प्रदान करें कि इसकी पहुँच हर सनातन धर्मी के घर तक हो ।

पंडित जानकी बल्लभ मिश्रा ने कहा कि गीता जी मानव जाति को कर्तव्य का बोध कराती है परिवारों में संस्कार और सदाचार का सबसे अच्छा उपचार है घरों में गीता का पठन पाठन कराने के लिये रूचि पैदा करें । श्री मिश्रा ने कहा कि परिवारों में गीता के प्रति रूचि पैदा करने के लिये मातृशक्ति सबसे उपयुक्त है अधिकतम महिलाएँ एवं बच्चियों को भगवत गीता के प्रति रूचि प्रदान कर दिया जाये परिवारों में भगवत गीता के संस्कार सहजता से पहुँच सकते है । लगभग दो दशक पूर्व गीता परिवार द्वारा जो प्रयास प्रारंभ किया गया था उसके परिणाम भी दिख रहे है इसको क्रमशः आगे बढाने का क्रम यदि जारी रखा जाये तो भगवत गीता की पहुँच हर घर में तक हो जाना कठिन कार्य नहीं है । कार्यक्रम में उपस्थित बलवंतानंद जी महाराज ने कहा कि वैदिक संस्कार और संस्कृति की रक्षा के लिये पंडित जानकी बल्लभ मिश्रा ने अपने संपूर्ण समर्पण दिया है और उनके सफल प्रयास से जहाँ जिले में हजारों वैदिक ब्राह्मण संस्कारित हुये है तो वहीं भगवत गीता के पठन पाठन के लिये उनके प्रयास से छोटी छोटी बच्चियाँ गीता के श्लोको का उच्चारण कर रही है यह संस्कार व्यापक रूप प्राप्त करेंगे ।

कार्यक्रम में ब्रह्मकुमारी की गीता दीदी एवं नीतू दीदी की गरिमापूर्ण उपस्थिती रही । गीता दीदी ने कहा कि पंडित जानकी बल्लभ मिश्रा ने भगवत गीता के प्रचार प्रसाद और घर घर तक पहुँचाने के जो प्रयास किये है वह अनुकरणीय है मैने स्वयं भी गीता के संबंध उनसे बारीकियाँ सीख कर भगवत गीता अपने ज्ञान को विस्तार दिया है ।

कार्यक्रम के प्रारंभ में भगवत गीता, ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वारूपानंद, का पूजन कर कार्यक्रम का श्रीगणेश किया । वेदिक मंत्रो एवं गीता के श्लोको से परिसर पवित्र हुआ । कार्यक्रम में पंडित जानकी बल्लभ मिश्रा के शिष्य के पुत्र प्रेमकृष्ण शास्त्री ने गीता के उपदेश पर संक्षिप्त व्या यान दिया । गीता जयंती के इस गरिमामय कार्यक्रम में वैदिक संस्कार केन्द्र के शिष्य एवं गीता परिवार की मातृशक्ति सहित ताराचंद मिश्रा, जीवनलाल सनोडिया, निरंजन मिश्रा आदि की उपस्थिती रही ।

कब हुआ था गीता का वाचन और इसका उद्देश्य या था ?

महाभारत काल, कुरुक्षेत्र का वह भयावह युद्ध, जिसमे भाई ही भाई के सामने शस्त्र लिए खड़ा था. वह युद्ध धर्म की स्थापना के लिए था. उस युद्ध के दौरान अर्जुन ने जब अपने ही दादा, भाई एवम गुरुओं को सामने दुश्मन के रूप में देखा तो उसका गांडीव (अर्जुन का धनुष) हाथो से छुटने लगा, उसके पैर काँपने लगे. उसने युद्ध करने में अपने आप को असमर्थ पाया. तब भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को उपदेश दिया. इस प्रकार गीता का जन्म हुआ. श्री कृष्ण ने अर्जुन को धर्म की सही परिभाषा समझाई. उसे निभाने की ताकत दी. एक मनुष्य रूप में अर्जुन के मन में उठने वाले सभी प्रश्नों का उत्तर श्री कृष्ण ने स्वयम उसे दिया.उसी का विस्तार भगवत गीता में समाहित है, जो आज मनुष्य जाति को उसका कर्तव्य एवम अधिकार का बोध कराता हैं।

गीता का जन्म मनुष्य को धर्म का सही अर्थ समझाने की दृष्टि से किया गया. जब गीता का वाचन स्वयम प्रभु ने किये उस वक्त कलयुग का प्रारंभ हो चूका था. कलयुग ऐसा दौर हैं जिसमे गुरु एवम ईश्वर स्वयम धरती पर मौजूद नहीं हैं, जो भटकते अर्जुन को सही राह दिखा पायें. ऐसे में गीता के उपदेश मनुष्य जाति को राह प्रशस्त करते हैं. इसी कारण महाभारत काल में गीता की उत्त्पत्ति की गई।

हिन्दू धर्म ही एक ऐसा धर्म हैं जिसमे किसी ग्रन्थ की जयंती मनाई जाती हैं, इसका उद्देश्य मनुष्य में गीता के महत्व को जगाये रखना हैं. कलयुग में गीता ही एक ऐसा ग्रन्थ हैं जो मनुष्य को सही गलत का बोध करा सकता हैं।

बड़ी सं या में पहुँच रहे पर्यटक

सिवनी यशोः- पेंच टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी के साथ नये साल का स्वागत करने पर्यटकों के बड़ी सं या में पहुंचने का सिलसिला निरंतर जारी है। सफारी के दौरान पर्यटकों को रोमांचित करने वाले नजारे भी देखने को मिल रहे हैं। कोर एरिया के साथ बफर क्षेत्र में भी सफारी के दौरान पर्यटकों को वन्यजीव करीब से देखने को मिल रहे हैं। 22 दिसंबर शुक्रवार को तेलिया गेट से खवासा बफर की सफारी के दौरान बाघ और बाघिन को एक साथ देखकर पर्यटक रोमांचित हो गए। वन अधिकारियों के मुताबिक इतने करीब से बाघ-बाघिन को एक साथ देख पाना काफी दुर्लभ और मुश्किल होता है।

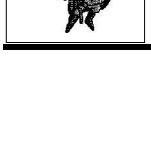

कड़कड़ाती ठंड में फर्श पर कराई महिला की डिलीवरी

अस्पताल से गायब मिला स्टाफ,

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्कूलों और अस्पतालों की लापरवाही के किस्से किसी से छिपे नहीं हैं. आए दिन इनकी लापरवाही के कारनामे सामने आते रहते हैं. इस बार लापरवाही का मामला शिवपुरी जिले से सामने आया है. यहां महिला को कड़कड़ाती ठंड के बीच अस्पताल परिसर की फर्श पर कंबलों की ओट लेकर बच्चे को जन्म देना पड़ा. जन्म के बाद नर्सिंग स्टाफ ने महिला और बच्चे को नर्सिंग स्टाफ में भर्ती कराया. फिलहाल महिला अस्पताल में ही भर्ती है.

जानकारी के मुताबिक पूरा मामला शिवपुरी जिला अस्पताल का है. जहां खोरगार गांव की रहने वाली राजनदेवी जाटव को प्रसव पीड़ा के बाद जिला अस्पताल प्रसव के लिए लाया गया था. लेकिन डॉ टर के केबिन से पहुंचने से पहले ही प्रसूता ने जिला अस्पताल की गैलरी में ही नवजात को जन्म दे दिया.

राजन देवी की सास सवोत्रा जाटव ने बताया की बहू की डिलीवरी होने के बाद स्टाफ को सूचना लगी थी. इसके बाद स्टाफ के द्वारा ही जच्चा बच्चा को वार्ड में भर्ती किया गया. बता दें कि जच्चा बच्चा दोनों की हालत सामान्य है, दोनों पूरी तरह सुरक्षित है.

परिजन का आरोप

महिला के परिजनों का आरोप है कि जब वे अस्पताल पहुंचे थे, तो न तो उस वक्त और उन्हें कोई सहायता मिली और न ही कोई स्टाफ मिला. जब महिला ने चिल्लाना शुरू किया तब जाकर अस्पताल प्रबंधन सामने आया. ऐसा पहली बार नहीं है जब ऐसे मामले सामने आए हों, इसके पहले भी इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं. लेकिन फिर भी कोई सुधार नहीं किया जा सका है.

परावर्तन के अग्रदूत स्वामी श्रद्धानन्द

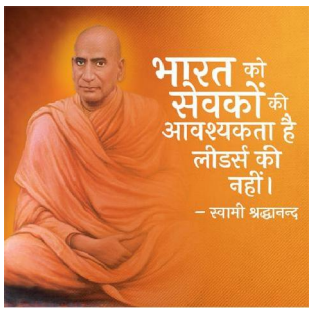

भारत में आज जो मुसलमान हैं, उन सबके पूर्वज हिन्दू ही थे। उन्हें अपने पूर्वजों के पवित्र धर्म में वापस लाने का सर्वाधिक सफल प्रयास स्वामी श्रद्धानन्द ने किया। संन्यास से पूर्व उनका नाम मुंशीराम था। उनका जन्म 1856 में ग्राम तलबन (जिला जालन्धर, पंजाब) में एक पुलिस अधिकारी नानकचन्द जी के घर में हुआ था। 12 वर्ष की अवस्था में ही उनका विवाह हो गया।

बरेली में आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानन्द के प्रवचनों से वे अत्यन्त प्रभावित हुए। उन्होंने अस्पृश्यता तथा जातीय भेदभाव के विरुद्ध प्रबल संघर्ष करते हुए अपनी पुत्री अमृतकला तथा पुत्रों पंडित हरिश्चन्द्र विद्यालंकार व पंडित इन्द्र विद्यावाचस्पति का अंतरजातीय विवाह किया।

1917 में संन्यास लेने पर उनका नाम स्वामी श्रद्धानन्द हो गया। स्वामी जी और गांधी जी एक दूसरे से बहुत प्रभावित थे। गांधी जी को सबसे पहले 'महात्मा' स बोधन स्वामी जी ने ही दिया था, जो उनके नाम के साथ जुड़ गया। 30 मार्च, 1919 को चाँदनी चौक, दिल्ली में रौलट ऐ ट के विरुद्ध हुए सत्याग्रह का नेतृत्व स्वामी श्रद्धानंद जी ने ही किया।

वहां सैनिकों ने सत्याग्रहियों पर लाठियाँ बरसायीं। इस पर स्वामी जी उनसे भिड़ गये। सैनिक अधिकारी ने उनका सीना छलनी कर देने की धमकी दी। इस पर स्वामी जी ने अपना सीना खोल दिया। सेना डर कर पीछे हट गयी।

स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लेने के कारण उन्हें एक वर्ष चार माह की सजा दी गयी। जेल से आकर वे अछूतोद्धार तथा मुसलमानों के शुद्धिकरण में लग गये। 1924 में शुद्धि सभा की स्थापना कर उन्होंने 30,000 मुस्लिम (मलकाना राजपूतों) को फिर से हिन्दू बनाया। इससे कठमुल्ले नाराज हो गये; पर स्वामी जी निर्भीकता से परावर्तन के काम में लगे रहे। 1924 में स्वामी जी 'अखिल भारत हिन्दू महासभा' के भी राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। मुसलमानों में देशप्रेम जगाने के लिए खिलाफत आन्दोलन के समय वे चार अप्रैल, 1919 को दिल्ली की जामा मस्जिद में भाषण देने गये।

स्वामी जी ने हरिद्वार के पास 21 मार्च, 1902 को होली के शुभ अवसर पर 'गुरुकुल कांगड़ी' की स्थापना की। इसके लिए नजीबाबाद (जिला बिजनौर, उ.प्र.) के चौधरी अमनसिंह ने 120 बीघे भूमि और 11,000 रु. दिये। इसकी व्यवस्था के लिए स्वामी श्रद्धानंद जी ने अपना घर बेच दिया और सर्वप्रथम अपने दोनों लड़कों को प्रवेश दिलवाया। उन्होंने जालन्धर और देहरादून में कन्या पाठशाला की भी स्थापना की।

'जलियाँवाला बाग नरसंहार' के बाद जब पंजाब में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन करने का निर्णय हुआ, तो भयवश कोई कांग्रेसी उसका स्वागताध्यक्ष बनने को तैयार नहीं था। ऐसे में स्वामी श्रद्धानन्द जी आगे आये और 1920 में अमृतसर में अधिवेशन हो सका। इसमें स्वामी जी ने हिन्दी में भाषण दिया। इससे पूर्व अधिवेशनों में अंग्रेजी में भाषण होते थे। इसी प्रकार भाई परमानन्द और लाला लाजपतराय जी निर्वासन के बाद जब स्वदेश लौटे, तो स्वामी जी ने लाहौर में उनका स मान जुलूस निकलवाया।

स्वामी जी द्वारा प्रार भ परावर्तन का कार्य क्रमशः पूरे देश में जोर पकड़ रहा था। भारत के मुस्लिमों में अपने देश, धर्म और पूर्वजों का अभिमान जाग्रत होते देख कुछ मुस्लिम नेताओं ने उनके विरुद्ध फतवा जारी कर दिया। 23 दिस बर, 1926 को अब्दुल रशीद नामक एक कट्टरपन्थी युवक ने उनके सीने में तीन गोलियाँ उतार दीं। स्वामी जी के मुख से 'ओ ' की ध्वनि निकली और उन्होंने प्राण त्याग दिये।

शासकीय योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर के व्यक्तियों तक पहुंचाने का माध्यम है विकसित भारत संकल्प यात्रा - राज्यपाल पटेल

गरीबों एवं वंचितों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने में युवा वर्ग अपनी सहभागिता निभाएं

रीवा में हर पात्र व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ मिले - उप मु यमंत्री शु ल

भोपाल । राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि आज हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है जिस पर प्रत्येक भारतवासी को गर्व होना चाहिए। केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी प्रचार रथ के माध्यम से गांवों में पहुंचकर दी जा रही है साथ ही वंचित हितग्राहियों को इनका लाभ दिलाया जा रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा शासकीय योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर के व्यक्तियों तक पहुंचाने का माध्यम बन रही है। राज्यपाल श्री पटेल रीवा में ग्राम पंचायत बैसा में विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए।

राज्यपाल श्री पटेल ने युवाओं से आह्वान किया कि ऐसे लोग जो शासकीय योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रह गए हैं उन्हें लाभ दिलाने और जागरूक करने में योगदान दें। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री उज्ज्वला जैसी अनेक योजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अभिनव पहल हैं। प्रधानमंत्री किसान स मान निधि, सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति एवं अटल पेंशन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। स्वसहायता समूह की महिलाएं आत्मनिर्भर हुई।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सभी को आपस में स्वस्थ संवाद करते हुए भारत को विश्वगुरू बनाने में अपना सहयोग देना होगा। राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम के दौरान ÷धरती कहे पुकार के÷ प्रस्तुति की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए धरती माता को बचाने के उद्देश्य से दिए गए संदेश की सीख लेने की अपेक्षा जनमानस से की। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री पटेल ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। राज्यपाल ने कार्यक्रम स्थल में स्वास्थ्य, उद्यानिकी, सामाजिक न्याय, आजीविका मिशन, महिला एवं बाल विकास, कृषि, वन, उद्यानिकी, खाद्य, स्वच्छता मिशन सहित बैंक एवं उज्ज्वला योजना आदि से संबंधित स्टाल का अवलोकन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने ड्रोन द्वारा नैनो यूरिया के छिड़काव के प्रदर्शन का अवलोकन किया।

उप मु यमंत्री श्री राजेन्द्र शु ल ने कहा कि रीवा में हर पात्र व्यक्ति को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाएं। समाज के अंतिम छोर के हर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कुराहट आये। शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ जन प्रतिनिधि और युवाओं भी इस पवित्र यज्ञ में सेवा की आहुति दें।

रीवा में विकसित भारत संकल्प यात्रा में अब तक 97 स्थानों में 42 हजार से अधिक लोगों की सहभागिता रही है। यात्रा के दौरान योजनाओं के प्रचार-प्रसार, हितलाभ के वितरण, हितग्राहियों के अनुभव तथा स्वास्थ्य शिविरों में टीवी एवं सिकल सेल बीमारी का परीक्षण किया जा रहा है। कार्यक्रम विभिन्न योजनाओं के हितग्राही स्वयं अपनी जुबानी अपने अनुभव और सफलता की कहानियाँ साझा कर रहे हैं। कार्यक्रम में सांसद श्री जनार्दन मिश्र, स्थानीय जन-प्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी और आमजन उपस्थित थे

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वच्छता को अभियान के रूप में आगे बढ़ाया - मु यमंत्री डॉ. यादव

मु यमंत्री ने उज्जैन में श्रमदान कर स्वच्छता की शपथ दिलाई

भोपाल। मु यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छोटे से छोटे काम को बड़ा महत्व दिया। उन्होंने पूरे देश में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देकर इसे अभियान के रूप में आगे बढ़ाया। स्वच्छता में इन्दौर प्रथम पायदान पर है। प्रधानमंत्री ने पूरे विश्व में हमारे देश का नाम गौरवान्वित किया है। मु यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को उज्जैन प्रवास के दौरान भारत रत्न श्री अटलबिहारी वाजपेयी स्मृति अनुभूति उद्यान परिसर में स्वच्छता अभियान को संबोधित कर रहे थे। मु यमंत्री ने परिसर में त्रिवेणी रोपी।

मु यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि उज्जैन शहर में स्वच्छता अभियान अंतर्गत प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता अभियान चलाया जाता है, जो सराहनीय है। मु यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित नागरिकों को उज्जैन को स्वच्छता में न बर-1 लाने की शपथ दिलवायी। मु यमंत्री डॉ. यादव ने भी इसमें सहभागिता कर श्रमदान किया।

मु यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मु य सेवक के नाते जो मु यमंत्री की जि मेदारी मिली है, उस जि मेदारी का निर्वहन करते हुए सबके समन्वय से विकास का काम करेंगे। प्रदेश एवं देश के साथ उज्जैन के विकास का काम आगे बढ़े, इसमें हम सब मिलकर प्रयास करेंगे। मु यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास के साथ प्रदेश में चल रही योजनाओं का क्रियान्वयन भी बेहतर ढंग से किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विकास संबंधी सुझाव और शिकायत मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। सब मिलकर समन्वय से विकास कार्यों को आगे बढ़ायेंगे।

मु यमंत्री डॉ. यादव का अनुभूति उद्यान पहुंचने पर महापौर श्री मुकेश टटवाल एवं नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव आदि ने पुष्पहारों से स्वागत किया। विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सतीश मालवीय, श्री विवेक जोशी, श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला, श्री विशाल राजौरिया, श्री सचिन से सेना, श्री सत्यनारायण चौहान, पार्षद, एमआईसी सदस्य आदि उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश में नगर पालिका ऑफलाइन चलाने के निर्देश, पोर्टल अभी भी हैकर के कब्जे में

भोपाल। मध्य प्रदेश का ई नगर पालिका पोर्टल हैक कर लिया गया है। सरल हिंदी में यह कि, ई-नगर पालिका पोर्टल की ऑनलाइन किडनैपिंग हो गई है। उसे मुक्त करने के प्रयास किया जा रहे हैं परंतु समाचार लिखे जाने तक कोई सफलता नहीं मिली है। प्रमुख सचिव श्री नीरज मंडलोई ने समस्त नगर पालिकाओं के ऑफलाइन संचालन के निर्देश दिए हैं।

18 दिसंबर तक का डाटा सुरक्षित

प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीरज मंडलोई ने बताया है कि, प्राथमिक तौर पर विशेषज्ञों से प्राप्त जानकारी के अनुसार संधारित डाटा के लीक होने के कोई साक्ष्य अभी प्राप्त नहीं हुए हैं। विभाग के पास बैकअप डेटा के रूप में उपलब्ध डाटा सुरक्षित है। ष्टश्वक्रञ्ज-द्बह्र द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार एमपीएसईडीसी तथा विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में सिस्टम को फिर से चालू करने की कार्रवाई की जा रही है। श्री मंडलोई ने बताया है कि सर्वर समय पर ही बंद हो गया था। सर्वर के डाटा का बैकअप हर 3 दिन में सुरक्षित किया जाता है। अतः ऑफलाइन डाटा पूरी तरह सुरक्षित है। प्रमुख सचिव श्री मंडलोई की बात को आधार मानकर चल तो 21 दिसंबर साइबर अटैक हुआ था यानी 18 दिसंबर तक का डाटा सुरक्षित है।

साइबर पुलिस द्वारा घटना की जांच की जा रही है

प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीरज मंडलोई ने बताया है कि 21 दिसंबर 2023 को ई- नगर पालिका सॉ टवेयर पर साइबर अटैक की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना प्राप्त होते ही विभाग के सभी सर्वरों तथा अन्य नेटवर्क को हार्डवेयर के रखरखाव के लिए नियुक्त आईटी टीम द्वारा ऐतिहात के तहत बंद कर दिया गया था। इसके बाद विभाग द्वारा CERT-IN इंडियन इमरजेंसी रिस्पांस टीम तथा साइबर पुलिस को घटना की सूचना दी गई। CERT-IN के विशेषज्ञों तथा साइबर पुलिस के द्वारा घटना की जांच की जा रही है।

महाकाल दर्शन के लिए होगा टाइम फि स, कुंभ मेले के पहले सरकार ने जारी किए कई आदेश

उज्जैन। मध्य प्रदेश के मु यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि सरकार 2028 के सिंहस्थ (कुंभ) मेले से पहले राज्य में, विशेषकर उज्जैन में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करेगी। उन्होंने कहा कि महाकाल मंदिर आने वाले भक्तों को तिरुपति बालाजी मंदिर की तरह समय %स्लॉट% (समयावधि) आवंटित किया जाएगा। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे 30 मिनट से कम समय में दर्शन कर सकें।

मु यमंत्री ने यह भी कहा कि उनके पहले शिवराज सिंह चौहान द्वारा स्वीकृत विभिन्न कार्यों को भी तेजी से पूरा किया जाएगा। सीएम मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार विशेष रूप से उज्जैन में विकास कार्यों को प्राथमिकता देगी,` योंकि 2028 में सिंहस्थ (कुंभ मेला) नजदीक आ रहा है। योजनाएं जल्द ही तैयार की जाएंगी।

विंटर एप्लायंसेज फेस्ट - रूम हीटर, गीजर, मि सर ग्राइंडर और अन्य पर न्यूनतम 40% की छूट।

यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल लोक गलियारे का उद्घाटन करने के बाद इस मंदिर नगरी में तीर्थयात्रियों की सं या बढ़ गई है। उज्जैन में 900 मीटर लंबे गलियारे का उद्घाटन अ टूबर 2022 में किया गया था।

मोहन यादव ने यह भी कहा कि भीड़ प्रबंधन के उपाय किए जाएंगे। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तीर्थ यात्री मंदिर में पूजा करने के लिए कम दूरी तय करें। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सुविधाओं और संपर्क सड़कों में सुधार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों को हर 12 साल में एक बार उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए स्थायी व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। मोहन यादव ने कहा कि मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि राज्य के सभी मंडलों में विकास कार्य जल्द पूरे हों।

इससे पहले दिन में यादव ने उज्जैन जिले में विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा के लिए अधिकारियों की एक बैठक में भाग लिया।

भोपाल में दो नए कोरोना संक्रमित मिले, ए टव मरीजों की सं या तीन पहुंची

भोपाल में शनिवार को 26 कोरोना के टेस्ट में दो लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसमें 23 वर्षीय एक महिला केरल और 58 वर्षीय पुरुष दिल्ली से लौटे हैं। दिल्ली से लौटे मरीज में हल्के लक्षण है। वहीं, महिला में कोई लक्षण नहीं है। दोनों की जांच में रिपोर्ट पॉजिटिव आई। दोनों होम आईसोलेशन में है। इसके पहले बैंगलोर से लौटी एक महिला कोरोना पॉजिटव आई थी। वह भी अभी होम आईसोलेशन में है। तीनों की संक्रमित वै सीनेटेड है। भोपाल में अब तक 1 लाख 76 हजार 51 लोग संक्रमित पाए गए है। जिसमें से 1 लाख 74 हजार 997 ठीक हो चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को को लेकर गाइडलाइन जारी की है। इसमें दूसरी बीमारी से पीड़ित और बुजुर्गों का ध्यान रखने को कहा गया है।

चिकित्सक सेवाभाव से ऐसा उपचार करें, जिससे रोगी को संतोष मिले - राज्यपाल श्री पटेल

***रीवा को शिक्षा और मेडिकल सुविधा का हब बनाएंगे - उप मु यमंत्री शु ल**

***राज्यपाल श्री पटेल ने रीवा में मेडिकल कॉलेज के हीरक जयंती समारोह का शुभारंभ किया**

***राज्यपाल ने उत्कृष्ट चिकित्सा विद्यार्थियों को पदक देकर किया स मानित**

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने श्यामशाह मेडिकल कॉलेज के हीरक जयंती समारोह का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने मेडिकल कॉलेज में गत दो वर्षों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 6 विद्यार्थियों को पदक और प्रशस्ति पत्र देकर स मानित भी किया। रीवा के कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि चिकित्सा पवित्र व्यवसाय है। चिकित्सक सेवाभाव से ऐसा उपचार करें जिससे रोगी को स्वास्थ्य लाभ के साथ संतोष भी मिले। उन्होंने कहा कि इस मेडिकल कॉलेज के कई विद्यार्थियों ने देश ही नहीं विदेश में नाम कमाया है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में देश में विकास हो रहा है और पूरी दुनिया में देश का मान बढ़ा है। स्वास्थ्य, शिक्षा, अधोसंरचना विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी तेजी से कार्य हुए हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश में 1.83 करोड़ जनजाति निवास करती है। इनमें कई परिवार सिकलसेल एनीमिया से पीड़ित हैं।

प्रदेश के 20 जिलों में इस बीमारी के उन्मूलन के लिए सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें। समाज और देश को योगदान देकर अपना और देश का नाम रोशन करें।

उप मु यमंत्री श्री राजेन्द्र शु ल ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि रीवा तेजी से विकास कर रहा है। मेडिकल कॉलेज 50 सीटों से बढ़कर 150 सीटों का हो गया है। मेडिकल कॉलेज में पोस्ट-ग्रेजुएट में भी 100 से अधिक सीटें हो गई हैं। रीवा में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की स्थापना से चिकित्सा के क्षेत्र में रीवा की छवि बदली है। रीवा को मेडिकल तथा चिकित्सा के क्षेत्र में हब के रूप में विकसित करेंगे। सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में एंजियोग्राफी और एंजियोप्लस्टी लगातार हो रही है। यहाँ किडनी प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू होने वाली है। इस अस्पताल को 400 बिस्तरीय बनाने के लिए 25 करोड़ रुपए मंजूर हो गए हैं। चिकित्सकों तथा चिकित्साकर्मियों के आवास के लिए 3 आठ मंजिला टॉवर बनाए जाएंगे।

रीवा में मार्च तक एयरपोर्ट से हवाई सेवा शुरू हो जाएगी

उप मु यमंत्री श्री शु ल ने कहा कि रीवा में मार्च तक एयरपोर्ट से हवाई सेवा शुरू हो जाएगी, चिकित्सकों को रीवा आने में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। फोरलेन सड़कें और रेलवे का भी तेजी से विकास हुआ है। विन्ध्य क्षेत्र में अपार खनिज संपदा और पर्यटन की संभावनाएं हैं। रीवा पर्यटन, उद्योग और कृषि में बड़ी तेजी से विकास करेगा।

सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि चिकित्सा बहुत चुनौती भरा व्यवसाय है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान देते हुए नए मेडिकल कॉलेज खोलने तथा अस्पतालों के विकास के लगातार प्रयास किए जिसके कारण हमें सुपर स्पेशियलिटी जैसा हॉस्पिटल मिला है। रीवा के चिकित्सकों ने कोरोना काल में अपना जीवन दांव पर लगाकर भी रोगियों की दिन-रात सेवा करके अदभुत काम किया। समारोह में अतिथियों का स्वागत पूर्व डीन तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. सी.बी. शु ला ने किया। स्वागत उद्बोधन देते हुए श्री शु ला ने मेडिकल कॉलेज के विकास में योगदान देने वाले विभिन्न क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों को याद किया।

समारोह में पूर्व डीन डॉ. पी.सी. द्विवेदी ने मेडिकल कॉलेज की विकास यात्रा का विवरण दिया। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. मनोज इंदुरकर ने मेडिकल कॉलेज के विस्तार की जानकारी दी। समारोह में विधायक डॉ. हीरालाल अलावा, विधायक नागेन्द्र सिंह, विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल और नगर निगम अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय उपस्थित थे। समारोह में मेडिकल कॉलेज से शिक्षा प्राप्त कई वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ तथा बड़ी सं या में चिकित्सक उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय के अकादमिक भवन का किया लोकार्पण

राज्यपाल श्री पटेल ने श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा में 66.80 करोड़ रुपए से निर्मित अकादमिक भवन का लोकार्पण किया। इसमें प्रशासनिक भवन सहित 100 सीटर इन्टर्न कन्या छात्रावास, 100 सीटर इन्टर्न बालक छात्रावास तथा 250 सीटर यूजी कन्या छात्रावास का निर्माण कराया गया है। राज्यपाल तथा उप मु यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज के हीरक जयंती समारोह में स्मारिका का विमोचन भी किया।

जिले वासियों से मास्क का उपयोग करने की अपील

सिवनी यशोः- कोरोना संक्रमण के प्रभावों को देखते हुये प्रभारी कले टर नवजीवन पंवार द्वारा अधिकारी-कर्मचारियों के साथ ही जिले वासियों को मास्क का उपयोग करने की अपील की गई है। उन्होंने संक्रमण के प्रभाव से बचने के लिए सामूहिक भीड - भाड वाले स्थानों पर मास्क लगाकर जाने की अपील सभी जिले वासियों से की है। प्रभारी कले टर श्री नवजीवन पंवार ने स्वयं मास्क लगाकर कले टर कार्यालय के अधिकारियो-कर्मचारियों को भी मास्क लगाने के लिए प्रेरित किया।

अजीविका मिशन की महिलाओं को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

सिवनी यशोः- जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमति आरती चौपड़ा ने बताया कि जिले आठों विकासखंड प्रबंधक एवं स्वसहायता समूह की दीदीयों को ऐ सपोजर भ्रमण कराया गया। समूह की दीदियों को विकासखंड कुरई के ग्राम पंचायत टुरिया में स्थापित सवैनियर शॉप, ग्राम खवासा स्थित सिलाई सेंटर एवं ग्राम पचधार में टेराकोटा उत्पादों (मिट्टी की कलाकृतियों) बनाने का भ्रमण सह अवलोकन कराया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण का मूल उद्देश्य महिलाओं में आजीविका गतिविधियों के प्रति जागरूकता एवं उनके द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन देना है। साथ ही कले टर श्री सिंघल के निर्देशानुसार पेंच नेशनल पार्क स्थित सैवनियर शॉप में स्वसहायता समूह की महिला की सहभागिता सुनिश्चित कराना है। जिसमें समूह की महिलाएं अपने उत्पादों का विक्रय कर लाभ अर्जित कर सके।

सरस्वती उच्च.माध्य. विद्यालय में अयोध्या से आये अक्षत कलश की पूजन एवं महाआरती संपन्न

सिवनी यशोः- 22 जनवरी अयोध्या जी में भगवान श्रीराम लला जी की प्राण प्रतिष्ठा होना है इस निमित्त अयोध्या जी से आए पूजित अक्षत कलश का आज सरस्वती उ.मा.विद्यालय सिवनी में पूजन एवं भव्य महाआरती का कार्यक्रम गणमान्य आमंत्रितजनों द्वारा किया गया। सर्वप्रथम अयोध्या से आए अक्षत कलश का भैया-बहिनों एवं आचार्य परिवार के साथ भैरोगंज क्षेत्र के विभिन्न मार्गो में शोभायात्रा निकाली गई। तदोपंरात अक्षत कलश का बाजे-गाजे एवं पुष्प वर्षा के साथ विद्यालय में आगमन हुआ। विवेकानंद बाल कल्याण समिति के सभी स मानीय सदस्यों, आचार्य परिवार, अभिभावकों द्वारा अक्षत कलश का पूजन, हनुमान चालीसा एवं संगीतमय महाआरती की गई। इस कार्यक्रम में सरस्वती शिक्षा परिषद जिला सचिव सर्वश्री विनीत जी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज मर्दन जी त्रिवेदी एवं माधव जी दुबे बजरंग दल ने राम मंदिर के संदर्भ में अक्षत कलश का पूजन एवं इससे संबंधित जानकारी अभिभावकों एवं भैया-बहिनों को दी। अंत में प्रसाद वितरण के साथ भैया-बहिनों ने अक्षत कलश का पूजन-अर्चन किया। कार्यक्रम में मु य रूप से लोकतंत्र सेनानी श्री सुदर्शन जी बॉझल, सहसचिव डॉ शांतनु शर्मा, श्री ईशान सिंह समिति सदस्य एवं बजंरग दल के अनेक कार्यकर्ता की उपस्थिति रही। आभार प्रदर्शन विद्यालय के व्या याता श्री प्रकाश गुप्ता जी द्वारा किया गया। इसके पश्चात इसी प्रकार का पूजन एवं आरती का कार्यक्रम सरस्वती उ.मा.विद्यालय नवीन भवन पी.जी कॉलेज के सामने आयोजित हुआ।

पुलिस विभाग ने महिला अपराधों पर जागरूक रहने के लिये दी छात्राओं को जानकारी

सिवनी यशोः-महिला संबंधी बढते अपराधो के संबंध मे जागरूकता बढाने व समझाईश देने के उद्देश्य से व नवाचार की कड़ी को आगे बढाते हुए शासकीय माध्यमिक शाला कटिया जिला सिवनी में स्कूल के बच्चे बच्चियों को समझाईश दी गई। गुड-टच, बैड टच, सोशल मीडिया का उपयोग, आने जाने वाले रास्ते मे अनजान व्यक्तियो से व रास्ता रोककर छींटाकशी करने वाले लोगो से सतर्क रहने, लडकियो को देखकर सीटी बजाना, बस में चढते समय गलत तरीके से टच करना, सूनसान रास्ते में पीछा करना, अनजान व्यक्ति द्वारा बिना कहे घर छोडने की बात करना, चाय - पान के ठेले टपरे पर बैठकर आने-जाने वाली लडकियो पर कमेंट करना, जबरदस्ती रास्ता रोककर नंबर लेना, किसी प्रकार का नशा न करना आदि बातो की समझाईश दी गई। व्हाटसअप के प्रयोग मे फोटो शेयर करने से बचना। किसी अनजान नंबर से कॉल आने पर बाचचीत नहीं करना, अपना OTP किसी को शेयर नही करना है। इन सबसे होने वाली समस्या के प्रति जागरूकता बढाना हमारा उद्देश्य है नवाचार मे हमारे द्वारा प्राथमिक शाला के बच्चो को छोटा उपहार दिया गया जिसका उपयोग बच्चे अपने स्कूल मे कर सकते है। इन्ही सब बातो को बच्चो को समझाया गया । समस्या आने पर अपने परिजन एवं स्कूल के टीचर के माध्यम से पुलिस में शिकायत दर्ज कराने हेतु बताया गया । विभिन्न नंबरो की जानकारी दी गई जैसै डायल 100, महिला हेल्प लाईन नंबर 1090, चाईल्ड हेल्प लाईन 1098, पुलिस कंट्रेाल रूम नंबर 07692-220955 व इमरजेंसी ए बुलेंस नंबर 108 की जानकारी दी गई।

मौज मस्ती के बीच प्रोजे ट डे एण्ड फ्रेस पार्टी

नाचा, गाया, देश को जाना, स्मारको और महापुरूषों को पहचाना

सिवनी यशोः- किसी भी शासकीय अशासकीय शाला में अध्यापन करने वाले विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास कैसे हो तथा उन बच्चों को भारतीय संस्कृति और पाश्चात्य संस्कृति के गुण अवगुणों से कैसे अवगत कराया जाए इन प्रश्नों के समाधान के लिए नगर के निकट सबसे बडे क्षेत्रफल में बनायी गई, दा रायल इकोल स्कूल संस्था ने शाला के बच्चों के लिए प्रोजे ट डे एण्ड फ्रेस कार्यक्रम आयोजित किया। इस आयोजन में बच्चों के अंदर की प्रतिभा निखारने के लिए उन्हें ऐसा अवसर प्रदान किया गया जिसे देखकर सभी अभिभावक एवं आमंत्रित जन आश्चर्य में पड़ गये स्कूल के डायरे टर संजय सुनील

मालू के इस प्रयास की सभी ने मुक्तकंठ से सराहना की।

प्रातः से बच्चो ने अपनी अपनी कक्षाओं को कुछ इस तरह सजाया था जिसमें भारत के अलग अलग प्रांतो की झलक दिख रही थी बच्चों ने अपनी वेशभूषा में पंजाबी, बंगाली, मराठी, तामिल, कन्नड़ छत्तीसगढी आदि का समावेश किया गया था इन वेशभूषा में उन्होंने नृत्य गायन की प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसी तरह देश की आजादी में अपना योगदान देने वाले महापुरूषों की झलक तथा उनके वृत्तचित्र के साथ साथ बच्चों ने उसकी वेशभूषा से सभी का मनमोह लिया। साथ ही देश प्रदेश के पर्यटन स्थल भीमघाट भोजपुर पंचमड़ी खजुराहो सहित अनेक स्थानों के चित्र एवं परिचय आगतुंको के लिए नया अनुभव था। विद्यार्थियों ने अयोध्या के राम मंदिर ताज महल सहित उज्जैन के महाकाल मंदिर का मॉडल बनाकर इस कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये, और मौसम विभाग के द्वारा समय समय पर होने वाले परिवर्तन को भी मॉडल के माध्यम से चित्रित किया।

इतना ही नहीं कि स कार्यक्रम में फेस हेतु बच्चों ने पाककला के व्यजनों से भी लोगों को आकर्षित किया कही मैगी थी तो कहीं मद्रासी इटली, डोसा और आलू चाट पापडी चाट, दहीबड़ा चाय काफी के साथ साथ गुलाब जामुन खडी की तो बात ही कुछ और थी इनके अतिरिक्त तीर निशाना, बदुंक से निशाना लगना घोडे की घुडसवारी सहित अनेक कार्यक्रमों ने लोगों को मौज मस्ती का अवसर दिया बच्चों ने नाचा भी गाया भी, खाया भी और अपने परिवार के साथ शाला का समस्त स्टाप ने इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मां बाला भवानी एवं बंजारी माता के किये दर्शन

सिवनी यशोः- शनिवार को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मां बाला भवानी एवं बंजारी माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आज विधायक *श्री दिनेश राय मुनमुन* जी ने दोपहर समय गनेशगंज स्थित पहाडी मंदिर मे विराजित मां बाला भवानी एवं बंजारी स्थित मंदिर मे विराजमान बंजारी माता के दर्शन, पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा सभी सुख समृद्धि की कामनाओं किया। इसके उपरांत सिवनी आगमन पर विधायक दिनेश राय मुनमुन का होटल बाहुबली मे पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात श्री राय ने अपने कार्यालय मे परीक्षार्थियों से ज्ञापन प्राप्त किया।

नवीन कनिष्ठ अधिवक्ता एवं प्रशिक्षु विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास पर कार्यशाला

सिवनी यशोः- जिला अधिवक्ता संघ सिवनी के अध्यक्ष रवि गोल्हानी जी के मार्गदर्शन में एवं जिला अधिवक्ता संघ सिवनी के सचिव रितेश आहूजा के नेतृत्व में जिला अधिवक्ता संघ सिवनी में 23 दिसंबर 2023 शनिवार को *विषय -विधि व्यवसाय , व्यवहार एवं नैतिकता* पर दोपहर 02 बजे से 03 बजे तक कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें वर्ष 2019 से रजिस्ट्रेशन प्राप्त नवीन कनिष्ठ अधिवक्ता एवं प्रशिक्षु विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास हेतु आयोजित इस कार्यशाला में प्रमुख वक्ताओं की उपस्तिथि में कार्यशाला का प्रारंभ किया गया । कार्यशाला का संचालन सचिव रितेश आहूजा व्दारा किया गया । श्री आहूजा ने नए अधिवक्ता साथियो को उनके उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी एवं कहा कि अपने पक्षकारो का विश्वास जीतना जरूरी है । इसलिए किसी भी पक्षकार को गलत सलाह ना दे ।जिसमे जिला अधिवक्ता संघ

सिवनी के *वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी चौरसिया व्दारा कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा* कि न्यायालय में कनिष्ठ अधिवक्ता को अपने सीनियर अधिवक्ताओ का हमेशा स मान करना चाहिए । न्यायालय में अपने सीनियर्स के साथ कैसा व्यवहार अपनाये साथ ही अपने साथी अधिवक्ता के साथ कैसे व्यवहार करें । पक्षकारो के प्रति कैसा व्यवहार आपको रखना चाहिए ताकि ज्यादा से ज्यादा पक्षकार आपके स पर्क में रहे । अपने डिग्निटी का अवश्य ध्यान रखना चाहिए । विधि व्यवसाय को करने के लिए पूर्ण अनुशासित होना अति आवश्यक है । विधि व्यवसाय समुन्दर जितना गहरा है जो जितना अच्छा तैराक होगा वो उतना अच्छा तैरना सीखेगा । ठीक उसी प्रकार जो जितना सीखेगा उतनी ही अच्छी उसकी वकालत होगी ।

इसी क्रम में *चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल ऑफिसर एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री नवीन पटेल* व्दारा कहा गया कि विधि व्यवसाय को करने के लिए दो शर्ते आवश्यक है पहली सीखने की चाह होना दूसरी जानने की चेष्ठा होना । हम हमारे कानून की किताबों को जितना ज्यादा गहराई से मन लगाकर पढेंगे हमारे अंदर उतना ही निखार आएगा । हमे हमेशा हमारे पक्षकारों के बचाव के लिए सजग रहना है । प्रतिदिन माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं माननीय उच्च न्यायालय के नए नए न्याय दृष्टांत आते है उन्हें हमेशा पढ़ना चाहिए योंकि आप अपने पक्षकारों का बचाव तभी कर सकते है जब आपने अपने केस (प्रकरण) को बेहतर तरीके से पढ़ा हो आप जितना अपडेट रहेंगे तभी आप अपने पक्षकार का हित कर पाएंगे और किसी मामले से उसे दोषमुक्त करवा पाएंगे चाहिए । अधिवक्ता का व्यवहार सदैव ही विन्रम शील होना आवश्यक है । हमारे लिए सौभाग्य की बात की हम एक ऐसा व्यवसाय से जुड़े है जिसमे हमें वकील साहब कहकर न्यायाधीश महोदय भी स बोधित करते है । हमारी ड्रेस में हमारे गले में पेहने जाने वाले बेंड का बहुत महत्व है यह बेंड केवल अधिवक्ता ओर न्यायाधीश ही पहन सकते है । इसी क्रम में *वरिष्ठ अधिवक्ता मोह मद खालिद खान जी* व्दारा कहा कि नए अधिवक्ता को फीस की ओर ध्यान नही देना चाहिए पहले आपको अपने नॉलेज को बढ़ाना चाहिए कोई व्यक्ति आपके पास आये तो उसे गलत जानकारी न देते हुए सही जानकारी से अवगत कराएं ।

इसी क्रम में *वरिष्ठ अधिवक्ता एवं डी. पी. चतुर्वेदी लॉ कॉलेज के प्रोफेसर अखिलेश यादव जी* व्दारा कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता आपके परिवार के बड़े बुजुर्गों के समतुल्य होते है स मान देने से ही स मान मिलता है । नए अधिवक्ताओ को शारीरिक और मानसिक रूप से न्यायालय में उपस्थित होकर न्यायालीन कार्यो को करना व सीखना चाहिए । आपकी भाषा, कार्यशैली, आचरण अधिवक्ता प्रोफेशन का प्रतिनिधित्व करता है इसलिए नए अधिवक्ताओ को यह विशेष ध्यान देना चाहिए कि आप किस जगह खड़े हो और या तर्क वितर्क कर रहे है और किस भाषा शैली का प्रयोग कर रहे है । आगे श्री अखिलेश यादव ने कहा कि ऐसी कार्यशाला निरंतर आयोजित कराई जाये ताकि नए अधिवक्ताओ को उचित मार्गदर्शन व जानकारी उपलब्ध होती रहे कि न्यायालय के अंदर कैसी कार्यवाही होती है । इसी क्रम में *जिला अधिवक्ता संघ सिवनी के अध्यक्ष रविकुमार गोल्हानी व्दारा* कहा कि नए अधिवक्ता साथी हमारे अधिवक्ता संघ के सदस्य है और हमारा संघ एक परिवार के रूप में चलता आया है जिस प्रकार हमारे परिवार के सदस्य एक ही घर मे हँसी खुशी से रह कर एक दूसरे की हर समस्या में साथ खड़े रहते है उसी प्रकार जिला अधिवक्ता संघ के हर सदस्य के में हमेशा खड़ा हूँ उन्हें न्यायालय परिसर में किसी भी प्रकार की कोई समस्या होती है तो उन्हें घबराने की आवश्यकता नही है उनकी समस्या मेरी समस्या है मैं उन्हें हमेशा मदद करूँगा । उक्त कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित जिला अधिवक्ता संघ सिवनी के पूर्व सचिव दादू निखिलेंद्र नाथ सिंह %गड्डू भैया÷,इशरार खान कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट ऋषभ जैन , अशरफ खान, मनोनीत सदस्य श्रीमती आशा गौतम देशमुख , कुसुम यादव, कैलाश बघेल एवं नवीन कनिष्ठ अधिवक्ता एवं प्रशिक्षु विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दिव्यांगो को प्रदाय किए गए उपकरण

जनपद शिक्षा केंद्र लखनादौन में प्रदाय किए गए उपकरण

लखनादौन यशोः- गत दिवस जनपद शिक्षा केंद्र लखनादौन में राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार एवं जिला शिक्षा के निर्देशों के परिपालन में विकासखंड स्तरीय दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर का किया गया आयोजन,माह जुलाई में चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया था, जिसमे 36 बच्चो का चिन्हांकन उपकरण के लिए किया गया था इन उपकरणों में ट्राई साइकिल, व्हील चेयर,श्रवण यंत्र , केलीपरस आदि प्रदाय किए गए एलिमिको से आए डॉ टरों की टीम ने प्रत्येक बच्चो को उपकरण का उपयोग करना बताया एवम पालकों को इन उपकरणों के नियमित उपयोग करने के लिए कहा गया। कार्यक्रम शुभारंभ मु य अतिथि श्रीमती मीना गोलहनी, कार्यक्रम अध्यक्ष ,शिक्षा समिति के अध्यक्ष जनपद उपाध्याय श्री दीपक निगम जी ,नगरपालिका उपाध्यक्ष विजुसा प्रदीप राजपूत,जिला शिक्षा केंद्र ए.पी.सी.श्री शरद तिवारी ,एपीसी श्री हरीश बर्मन कार्यक्रम आयोजक बीआरसीसी श्री राम पटले,कैलाश साहू बीए सी कार्यक्रम संयोजक उत्तम दहिकर,मंच संचालक श्री जी पी चंदेल के कर कमलों से प्रदाय किए गए सभी अतिथियों ने दिव्यांग बच्चो को प्यार दुलार देकर उनके मनोबल को बढ़ाया।

अलोनिया टोल प्लाजा को हटा दिया जायेगा

सिवनी यशोः- राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर स्थित क्षतिग्रस्त अलोनिया टोल प्लाजा को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एक माह पूर्व ट्रक के टक्कर के बाद क्षतिग्रस्त हुए शेड को हटाने की दिशा में एनएचएआई रूचि नहीं ले रही थी। वाहनों को अवागमन में परेशानी हो रही थी। अलोनिया टोल प्लाजा का सड़क तक झुका शेड हटने के बाद वाहन चालकों को राहत मिलेगी। उनको सर्विस रोड से अवागमन नहीं करना होगा। सर्विस रोड भी लंबे समय तक सुरक्षित रहेगा। शेड हटाने के कार्य में लगे कर्मचारियों की माने तों शेड हटा दिया जाएगा।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत के सशक्त कानून

- विष्णुदत्त शर्मा

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी ने संसद के दोनों सदनों में आपराधिक न्यायिक प्रणाली में सुधार के तीन विधेयक प्रस्तुत किये एवं दोनों सदनों में यह विधेयक ध्वनिमत से पारित होने के पश्चात् एक नए युग की शुरुआत हो गयी है।

भारत में अब भारतीय न्याय संहिता विधेयक 2023 जो आईपीसी, 1860 को प्रतिस्थापित करेगा
भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 जो सीआरपीसी, 1898 को प्रतिस्थापित करेगा
भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 जो साक्ष्य अधिनियम, 1872 को प्रतिस्थापित करेगा।

इन विधेयकों की शुरूआत ऐसे समय में हुई है जब विश्व तेजी से तकनीकी प्रगति, सामाजिक परिवर्तन और विकसित हो रहे वैश्विक मानकों को देख रहा है। ब्रिटिश काल के दौरान बनाए गए मौजूदा कानूनों कि अे सर पुराने होने और समकालीन जरूरतों के अनुरूप नहीं होने के कारण आलोचना की जाती रही है। नए कानून 21वीं सदी के साथ कानूनी प्रणाली को संरेखित करने की मोदी सरकार कि मंशा को दर्शाते हैं, जिसमें नागरिक-केंद्रित कानूनी संरचनाओं, लिंग तटस्थता, डिजिटल परिवर्तन और सजा के बजाय न्याय पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया गया है। इन परिवर्तनकारी कानूनी सुधारों का उद्देश्य भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली को नया आकार देना, नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा और न्याय के कुशल प्रशासन को सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व एव हमारे केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के दृढ़ संकल्प शक्ति का परिणाम था कि सभी हितधारकों के साथ व्यापक चर्चा के बाद इन कानूनों को लाया गया है। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने लाल किले की प्राचीर से देश के नाम अपने स बोधन में कहा था कि ÷ ...ये समय गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर, अपनी विरासत पर गर्व करने का है÷ और आजादी के अमृतकाल में भारत ने संकल्प लिया है कि उन सभी गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति पाना है। वास्तव में भारत की प्राचीन स यता में अपराधियों को दंड देने के बजाय पीड़ित को न्याय देने का प्रचलन था किन्तु औपनिवेशिक काल में अंग्रेजों ने अपनी सत्ता स्थायी रखने के उद्देश्य से भय प्रस्थापित करने हेतु दंड को प्राधान्य दिया था।

इन कानूनों के प्रमुख प्रावधानों में राजद्रोह को निरस्त कर देशद्रोह को स्थापित करना, मॉब लिंचिंग के खिलाफ एक नया प्रावधान, नाबालिगों के बलात्कार के लिए मृत्युदंड, आतंकवाद की परिभाषा और छोटे अपराधों के लिए पहली बार सामुदायिक सेवा को दंड के रूप में स मिलित किया है। इसमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध, हत्या और राज्य के खिलाफ अपराधों को प्राथमिकता दी गई है। अलगाववादी गतिविधियों या भारत की संप्रभुता और एकता को खतरे में डालने वाले कृत्यों पर नए अपराध जोड़े गए हैं। मु यतः यह विधेयक मानव केंद्रित न्याय प्रणाली सुनिश्चित करने का कार्य करेंगे और अब लोगां को ÷तारीख पर तारीख÷ से मुक्ति मिलेगी। यह नए कानून भारतीय आत्मा से ओत-प्रोत हैं और इनका उद्देश्य संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना और न्याय प्रदान करना है। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य विधेयकों की शुरूआत भारत की कानूनी प्रणाली के लिए अत्यधिक महत्व रखती है जिससे नि नलिखित संकल्प पूर्ति का लक्ष्य है =

आधुनिकीकरणः यह कानून औपनिवेशिक विरासत से प्रस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं, ऐसे प्रावधान प्रस्तुत करते हैं जो समकालीन सामाजिक मूल्यों और तकनीकी प्रगति को दर्शाते हैं। डिजिटल अपराधों और साक्ष्यों को मान्यता देकर, नए कानून 21 वीं सदी की वास्तविकताओं को दर्शाते हैं, जिससे भारत की कानूनी प्रणाली का आधुनिकीकरण होता है।

दक्षताः कानूनी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और डिजिटल साक्ष्य को मान्यता देकर, इन कानूनों का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया की दक्षता को बढ़ाना, देरी को कम करना और त्वरित न्याय को सुनिश्चित करना है।

नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोणः नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और जीवन में सुगमता सुनिश्चित करने पर जोर देने के साथ ही इनका लक्ष्य दंड से न्याय पर लक्ष्य केंद्रित करना है।

वैश्विक मानकों के अनुरूपः यह आपराधिक न्यायिक प्रणाली के सुधार भारत की कानूनी प्रणाली को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि यह कानून अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम क़ानूनी प्रथाओं के अनुरूप हैं। गौरतलब है आपराधिक न्यायिक प्रणाली में सुधार की यह प्रक्रिया वर्ष 2019 में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में गृह मंत्रालय द्वारा शरू की गई जिसमें विभिन्न हितधारकों से इस संदर्भ में सुझाव मांगे गए। गृह मंत्री जी ने सित बर 2019 में सभी राज्यपालों, मु यमंत्रियों, उपराज्यपालों/प्रशासकों को पत्र लिखा था। जनवरी 2020 में भारत के मु य न्यायाधीश, उच्च न्यायालयों के मु य न्यायाधीशों, बार काउंसिलों और विधि विश्वविद्यालयों और दिस बर 2021 में संसद सदस्यों से भी सुझाव मांगे गए। बीपीआरडी ने सभी आईपीएस अधिकारियों से सुझाव मांगे। मार्च 2020 को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली के कुलपति की अध्यक्षता में एक समिति भी गठित की गई जिसे कुल 3200 सुझाव प्राप्त हुए थे।

साथ ही 18 राज्यों, 06 संघ राज्य क्षेत्रों, भारत के सर्वोच्च न्यायालय, 16 उच्च न्यायालयों, 27 न्यायिक अकादमियों-विधि विश्वविद्यालयां, पुलिस बलों ने भी अपने सुझाव दिए है। गृह मंत्री अमित शाह जी ने 158 व्यक्तिगत बैठकें की, तत्पश्चात इन सुझावों पर गृह मंत्रालय में गहन विचार-विमर्श किया गया और इसी के परिणाम स्वरूप यह तीन कानून बने हैं। हम यह कह सकते हैं कि सरकार ने व्यापक चर्चा उपरांत जनआकांक्षाओं का स मान कर इन कानूनों को लाया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार पिछले साढ़े 9वर्षों में, हमारी संस्थाओं और प्रणालीगत कानूनों को पुनर्जीवित करने के मिशन पर कार्य रही है, जो 19 वीं शताब्दी में ब्रिटिश शासन और उनके प्रतिनिधियों द्वारा हमारे प्राचीन स यतागत सोच विचार को ब्रिटिश शासन के अधीन एवं राज्य चलाने के उद्देश्य से बनाये गए थे। निश्चित रूप से यह नए कानून हमारी कानूनी आत्मनिर्भरता के युग की शुरुआत है एवं इन कानूनों के पारित होने का सुखद अनुभव वास्तव में हमें दासता से मुक्ति का बोध कराता है।

आज के परिप्रेक्ष्य में गीता सबसे महत्वपूर्ण ग्रन्थ है - निर्विकल स्वरूप जी

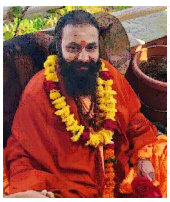

सिवनी यशोः-दुःख की आत्यंतिक निवृत्ति और परमानंद की प्राप्ति ही मोक्ष है, मोक्ष होने पर निरतिसुख की प्राप्ति होती है और इसे प्राप्त करने के लिए गीता-सुगीता करना चाहिए अर्थात भगवद्गीता को अर्थ सहित भलीभाँति समझ कर अपने अपने जीवन में उतारना चाहिए।

उक्ताशय के उदगार स्मृति लॉन में गीता जयंती महोत्सव में गीता मनीषी पूज्य ब्र हचारी श्री निर्विकल्प स्वरूप जी महाराज ने गीता सत्संग के दौरान व्यक्त किये प्रवचन माला की श्रंखला को आगे बढ़ाते हुए निर्विकल्प जी ने कहा कि कलियुग में आलस्य बहुत हो जाएगा यह सोच कर भगवान ने सरलता से ज्ञान प्राप्ति के लिए अर्जुन को माध्यम बना कर सारे वेद शास्त्रों का सार गीता के रूप में मोक्षदा एकादशी के दिन कुरुक्षेत्र की भूमि में पांडव रूपी सद्वृत्ति और कौरव रूपी दुरवृत्ति के बीच प्रस्तुत कर दिया। भगवान के मुख कमल से यह ग्रन्थ प्रकट हुआ है भगवद्गीता एक मात्र ऐसा ग्रन्थ है जिसकी जन्म जयन्ति मनाई जाती है, साक्षात् कृष्ण ही गीता के रूप में प्रकट हुए हैं यह भगवान की वांग्मय मूर्ति है, गीता एक दर्शन है जिसके फलस्वरूप जीव अपने स्वभाविक स्वरूप को जान लेता है, उसी को जानने के लिए गीता का यह छटवां अध्याय जिसने आत्म संयम योग का संदेश भगवान ने दिया था यही इस वर्ष सत्संग का विशेष विषय है, जिस पर ही यह सप्त दिवसीय आयोजन गीता पराभक्ति मंडल के यजमानत्व में चल रहा है।

निर्विकल्प जी ने बताया कि अर्जुन के मन में जब विषाद हुआ तब श्रीकृष्ण ने उन्हे गीता के द्वारा कर्तव्य बोध कराया, विषाद को जो प्रसाद के रूप में बदल दे वही भगवद्गीता है, पूज्य ब्र हचारी जी ने बताया कि हमारा मन ही अर्जुन है और कृष्ण जगतगुरु, विचलित मन को गुरु ही बोध कराते हैं।

आदि शंकराचार्य जी ने अपनी रचना चरपट मंजरी में भी लिखा है गाने के लिए सबसे उत्तम यदि कुछ है तो वह भगवद्गीता और विष्णुसहस्रनाम है हमे विचार करना चाहिए कि हमारा ज्ञेय, ध्येय, न्येय और देये या है।अपने अपने क्षेत्र में अपने कर्तव्यों का पालन करने से हमारा अन्तःकरण पवित्र हो जाता है और पवित्र अन्तःकरण ही भगवदप्राप्ति या मोक्ष का कारण होता है, इस स्थिति को प्राप्त करने के लिए भगवद्गीता की परम आवश्यकता है यही सोच कर भगवान ने लोक कल्याण की इच्छा से अर्जुन के मन में संशय पैदा कर दिया ताकि गीता का प्राकट्य हो सके, अर्जुन और कृष्ण एक दूसरे की आत्मा है वे साक्षात् नर नारायण हैं कृष्ण ने स्वजन मोहनी माया से अर्जुन को मोहित कर दिया और अट्ठारह भुजाओं वाली भगवती गीता महारानी प्रकट हो गई जिससे जन जन का कल्याण हो गया, गीता हमे सिखाती है धैर्ययुक्त बुद्धि से ईश्वर का चिंतन करें आत्मस्वरूप में स्थित होने से बढ़कर कोई लाभ नही, संसारिक सुख में तो दुःख, भय और रोना इनकी मिलावट होती है, इस संसार में मन का निग्रह ही सबसे बड़ा काम है जिसने अपने मन को वश में कर लिया उससे बढ़कर कोई नही और चित्त का निग्रह करना है तो गीता का श्रवण करना चाहिए

कल 24 दिस बर रविवार को गीता जयन्ति समारोह का विश्राम दिवस है अतः सभी श्रद्धालु भक्तो से अनुरोध है कि कथा स्थल स्मृति लॉन पहुँच कर धर्म लाभ अर्जित करें।

पश्चिमी घाट के नीचे इस समुद्र के तट से मैं आत्मविश्वास के साथ भविष्यवाणी कर सकता हूँ..... ÷अंधेरा छटेगा.... सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा

श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी की जयंती पर विशेष

नरेश दिवाकर डी.एन.
पूर्व विधायक, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा, पूर्व अध्यक्ष महाकौशल विकास प्राधिकरण

मुंबई के भारतीय जनता पार्टी के प्रथम अधिवेशन में उक्ताशय की उद्घोषणा करने वाले हमारे लाड़ले नेता श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी का आज 25 दिसंबर को जन्मदिवस है. हम उन्हें शत्-शत् नमन करते हैं.

÷अटल जी ने जो कहा वह आदर्श बन गया, जो किया वो इतिहास बन गया और जो लिखा वो अमिट बन गया ÷ भारत के तीन बार प्रधानमंत्री बनने वाले, 10 बार लोकसभा सदस्य बनने वाले, 02 बार राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने वाले भारत रत्न, सर्वश्रेष्ठ सांसद, पद्म विभूषण से अलंकृत ÷अटल जी÷ने यूँ ही लोगों के दिलो में राज नहीं किया. उन्होंने अपने कृतित्व से जमीन को छोड़े बिना आसमान को छूने का काम किया था. पक्ष-विपक्ष से एक सा स मान पाने वाले भावुक हृदय अटल जी कहते थे मेरे प्रभु, मुझे इतनी ऊँचाई कभी मत देना, गैरों को गले न लगा सकूं, इतनी रुखाई कभी मत देना....

भारतीय जनसंघ और फिर भारतीय जनता पार्टी के प्रखर राष्ट्रवादी, गहन चिंतक, कवि हृदय, लोकप्रिय नेता अटल जी ने जहाँ विपक्ष में रहकर अपने कर्तव्यों व दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन कर नये मापदंडो को स्थापित किया वहीं देश के प्रधानमंत्री के रुप में राष्ट्र को अनेकों सौगातें दी. 11 मई 1998 को पोखरण परमाणु परीक्षण से अमेरिका सहित सारे विश्व को चौंका दिया. वैश्विक आर्थिक दबाव व प्रतिबंधों की धमकी के बावजूद किये गये परमाणु परीक्षण ने अटल जी की देश की सुरक्षा व शांति के प्रति अपनाई जाने वाली नीति के प्रति अपने दृढ़ इच्छा शक्ति को प्रगट किया था.

अटल जी के कार्यकाल में सूचना प्रौद्योगिकी में क्रांति आई. देश की सर्वाधिक महत्वाकांक्षी स्वर्णिम चतुर्भुज अंतर्गत आधुनिक 4- 6 लाईन वाली सड़कें जिसका लाभ अपने सिवनी जिले को भी मिला, अटल योजना की ही देन है. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वजल धारा, सर्वशिक्षा अभियान, विदेशी निवेश में कई गुना वृद्धि, रोजगार में वृद्धि, आतंकवाद के विरुद्ध ङ्क पोटा ङ्ख जैसा कठोर कानून, फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड जैसी अन्य योजनाओं के साथ सुशासन के लिए अटल जी सदैव याद किये जायेंगे.

यही नहीं 1977 में विदेश मंत्री के रुप में अटल जी को संयुक्त राष्ट संघ के अधिवेशन में भाग लेने का जब अवसर मिला तो वहाँ ÷ हिन्दी ÷में भाषण देकर हिन्दी का मान बढ़ाया. विपक्ष में रहते हुए भी अटल जी को तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसि हा राव जी ने भारत के प्रतिनिधि मंडल के नेतृत्वकर्ता के रुप में विदेश भेजा था. वहाँ पर अटल जी से पत्रकारों ने जब प्रश्?न पूछे तो जबाब था कि मैं यहाँ अपने देश भारत का प्रतिनिधि बन कर आया हूँ न कि विपक्ष का.

एक अत्यंत कुशल वक्ता के रुप में अटल जी ने भारत सहित सारे विश्?व में लोकप्रियता हासिल की. उनके विभिन्न भाषण चाहे संसद के हाल के हों अथवा किसी सभा के आज भी बड़े ध्यान से सुने जाते हैं. सही अर्थों में सारे वर्गों में अत्यंत लोकप्रियता के कारण यदि उन्हें ÷अजातशत्रु ÷ कहा जाये तो अनुचित नहीं होगा. वे से यूलरवादी होते हुए भी स प्रदायवादी नहीं थे. धार्मिक होते हुए भी धर्मांधवादी नहीं थे. आस्तिक होते हुए भी नास्तिकता के विरोधी नहीं थे. समाजवादी नहीं थे किन्तु डॉ. राममनोहर लोहिया के विचारों को सुनते थे.

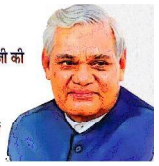

एक महत्वपूर्ण उद्बोधन के उनके विचार हमारे लिए अत्यंत प्रेरणा का कार्य करते हैं जब उन्होंने कहा था...

भारत मात्र जमीन का टुकड़ा नहीं जीता जागता राष्ट्र पुरुष है. हिमालय इसका मस्तक है, गौरीशंकर शिखा है, कश्मीर किरीट है, पंजाब व बंगाल दो विशाल कंधे हैं, दिल्ली इसका दिल है, विन्ध्याचल कटि है, नर्मदा करधनि है. पूर्वी व पश्?चिमी घाट इसकी दो विशाल जंघायें हैं, कन्याकुमारी इसके चरण हैं. सागर इसके पग पखारता है, चाँद- सूरज इसकी आरती उतारते हैं. ये वंदन की भूमि है, अभिनंदन की भूमि है. इसका कंकर कंकर शंकर है, इसका बिन्दु बिन्दु गंगाजल है. हम जियेंगे तो अपने इस राष्ट के लिए, हम मरेंगे तो अपने राष्ट्र के लिए.

मैं अपने आप को बड़ा सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष के रुप में सारा दिन उनके साथ प्रवास का अवसर मिला. जबलपुर से सिवनी छिंदवाड़ा प्रवास के समय पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने मुझे अटल जी के प्रवास की जि मेदारी सौंपी थी. अटल जी के साथ किये गये प्रवास के संस्मरण आज भी रोमांचित कर देते हैं. तत्पश्?चात विधायक होने के नाते मुझे उनसे भेंट करने के दो अवसर और मिले. अटल जी के निधन के पश्?चात सारे राष्ट में अस्थि कलश यात्रायें निकाली गई थी. मध्यप्रदेश में भोपाल से निकाली गई विभिन्न यात्राओं में मुझे सह प्रभारी के रुप में यात्रा का दायित्व दिया गया था.

एक बार पुनः श्रद्धेय अटल जी को शत्-शत् नमन

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाईजरी

मंडला यशोः- मु य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष दिसंबर से फरवरी के महीने में शीत लहर का अधिक प्रभाव रहता है। शीत लहर, बारिश, कोहरा आदि द्वारा प्रभावित करने वाले मौसम संबंधी खतरों के रूप में उभर रहे हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार वैश्विक तापमान में विभिन्न मौसमों के दौरान काफी भिन्नताएं सामने आ रही हैं और उसका प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, कृषि, पशुधन, आजीविका, सामाजिक अर्थव्यवस्था और अन्य संबध्द क्षेत्रों पर विपरीत पड़ता है। शीत ऋतु में वातावरण का तापमान कम होने (शीत लहर) के कारण मानव स्वास्थ्य पर अनेक विपरीत प्रभाव जैसे सर्दी जुखाम, बुखार, निमोनिया, त्वचा रोग, फेफड़ों में संक्रमण, हाइपोथर्मिया अस्थमा, एलर्जी होने की आशंका बन जाती है। यदि समय पर नियंत्रण न किया जाए तो, उस स्थिति में मृत्यु भी हो सकती है। इन प्रभावों से बचाव हेतु शरीर को सूखा रखें। शरीर की गर्माहट बनाए रखने के लिए अपने सिर, गर्दन, नाक, कान, हाथ और पैर की उंगलियों को पर्याप्त रूप से ढकें। टोपी, हैट, मफलर तथा आवरण युक्त एवं जल रोधी जूतों का प्रयोग करें। सिर को ढकें योंकि सिर के ऊपरी सतह से शरीर की गर्मी की हानि होती है। यथासंभव घर के अंदर रहें और ठंडी हवा बारिश से संपर्क को रोकने के लिए अनिवार्य होने पर ही यात्रा करें। रोग प्रतिरोध क्षमता में वृद्धि के लिए विटामिन सी से भरपूर ताजे फल और सब्जियाँ खाएं। गर्म तरल पदार्थ नियमित रूप से पिएं, जिसमें शरीर में गर्मी बनी रहेगी। बुजुर्ग नवजात शिशु गर्भवती माताऐं बीमार व्यक्ति तथा बच्चों का अधिक ध्यान रखें योंकि उन्हें शीत ऋतु के प्रभाव होने की आशंका अधिक रहती है।

SPL : बॉयज लब लखनादोंन पैंथर और सर्वोदय मिशन नाकाउट में पहुंचे

दूसरे दिन आसिफ सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज तो इमरान सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे

सिवनी यशोः- SPL के दूसरे दिन शानदार 6 मैच खेले गए जिसमे अड्डू मासाब्रद्ध 11 संदीप दुबे पैंथर` लब, इमरान बॉयज` लब ,निशांत शाइनिंग स्टार, आसिफ पटेल बॉयज` लब ने किया अपनी अपनी टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

आज का पहला मुकाबला राजपुताना बी और एजे 11 कीमत खेला गया जिसमें टॉस जीत कर राजपूताना ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 10 ओवरों में 69 रन बने राजपूताना की ओर से विजेंद्र ने 27 रनों की पारी खेली वहीं अच्छी गेंदबाजी करते हुए एजे 11 की ओर से दिनेश यादव और दीपक ने दो-दो विकेट प्राप्त किए लक्ष्य का पीछा करने उतरी ए जे मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया एजे और से दिनेश यादव ने 30 रन की पारी खेली और मैन ऑफ द मैच बने

आज का दूसरा मुकाबला राजपूताना और पैंथर के मध्य खेला गया जिसमें टॉस जीत कर राजपूताना ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 10 ओवरों में 85/8 राजपूताना की ओर से भूपेंद्र ने 18 रनों की परी की थी वही अच्छी गेंदबाजी करते हुए पैंथर की ओर से संदीप दुबे ने तीन विकेट प्राप्त की लक्ष्य का पीछा करने उतरी पैंथर` लब न मुकाबला चार विकेट से जीत लिया इस मैच के मैन ऑफ द मैच संदीप रहे

आज का तीसरा मुकाबला बॉयज ` लब और एजे11 के मध्य खेला गया टॉस जीतकर एजें पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 10 ओवरों में शानदार 134/6 रन बनाए एजे 11 की ओर से मनी चौरसिया ने 78 रनों की परी वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी बॉयज ` लब ने यह मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया बॉयज की ओर से इमरान डिलन ने 90 रनों की बारी के लिए और मैन ऑफ द मैच बने

आज का चौथा मुकाबला शाइनिंग स्टार और राजपूताना के मध्य खेला गया जिसमें टॉस जीत कर राजपूताना ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया पहले बल्लेबाजी करते हुए शाइनिंग स्टार ने 10 ओवर में 120/4 रन बनाए शाइनिंग स्टार की ओर से विजय ने 50 रान की पारी खेली लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी राजपूताना 10 ओवर में मात्र 93/8 रन बना सकी राजपूताना की ओर से राजवीर ने 35 रनों की पारी खेली वहीं उनके साथ देते हुए शहीद ने भी 35 रनों की बारी के लिए वही अच्छी गेंदबाजी करते हुए शाइनिंग स्टार की ओर से निशांत ने चार विकेट प्राप्त किया और मैन ऑफ द मैच बने

आज का पांचवा मुकाबला एस के आर बी और बॉयज` लब के मध्य खेला गया जिसमें टॉस जीतकर एस के आर बी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 10 ओवर में मात्र 38 रनों पर से मत गई वॉइस` लब की ओर से कप्तान आसिफ पटेल ने चार विकेट प्राप्त किया और इस मैच की मैन ऑफ द मैच बने। कल भी 6 मैच खेले जाएंगे

विकसित भारत संकल्प यात्रा में अनुपस्थित विभागों पर कार्यवाही के निर्देश

सिवनी यशोः- प्रभारी कले टर श्री पंवार नवजीवन ने 21 दिस बर 23 को विकसित भारत संकल्प यात्रा की वीसी में ग्राम पंचायतों में यात्रा के दौरान अनुपस्थित विभागों पर कार्यवाही के निर्देश दिये साथ ही संबंधित विभागों को अनिवार्य रूप से यात्रा के दौरान नियत स्थल पर उपस्थित रहकर आमजन को जागरूक कर लाभान्वित करने के निर्देश दिये गये । 22 दिस बर 23 को बरघाट जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत टिकारी, पिण्डराकला, भीमपाठा, सरेखाकला जनपद पंचायत छपारा में लाटगांव, देवरीकला लखनादौन में ओरापानी, रामनगरी सिवनी में मोहगांव, ऐरपा धनौरा में खमरिया, हिंगवानी एवं घंसौर में झिंझरई, झुरकी केवलारी में जेवनारा एवं बेलगांव ग्राम पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन का आयोजन किया गया यात्रा के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी सं या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही ।

छपारा के बैनगंगा घाट पर दिखा काशी और हरिद्वार का नजारा

भव्यता से प्रारंभ हुई महा आरती प्रथा, उमड़े हजारों श्रद्धालु

छपारा यशोः- माँ बैनगंगा गंगा नदी के श्री लक्ष्मी नारायण गोल्डन टेंपल घाट पर काशी और हरिद्वार की महा आरती की तरह अलौकिक नजारे ने उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। उल्लेखनीय है कि मुक्तिदायिनी, जीवनसलिला मां बैनगंगा की भव्य महाआरती का कार्यक्रम छपारा में मणिकर्णिका घाट काशी की गंगा आरती पद्धति का अनुसरण करते हुये काशी से पूजन पद्धति में अध्ययन कर चुके कर्मकांडी ब्रा हण नवयुवकों एवं ब्राह्मण समाज छपारा के वरिष्ठजनों व विप्रजनों की अगुवाई में मोक्षदा एकादशी दिनांक 23 दिसंबर से प्रारंभ हो गया।ब्राह्मण समाज छपारा के साथ -साथ नगर छपारा एवं आसपास के सभी ग्रामीण क्षेत्रों के सभी वर्गों के सनातनी हिन्दू श्रद्धालु पूरे आयोजन के सहभागी रहे। इस महा आयोजन में हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे। प्रत्येक एकादशी पर मां बैनगंगा गोल्डन टेंपल घाट छपारा में महा आरती शाम 5 बजे से प्रारंभ होकर 5¬40 बजे के मध्य पूर्ण की जानी है। आज की उपस्थित और कार्यक्रम की भव्यता के अनुरूप सभी लोगों का सराहनीय सहयोग कार्यक्रम को प्राप्त हो रहा हैं।जिसमें नगर के अलावा आसपास के नागरिक बंधु, पुलिस प्रशासन, नगर पंचायत एवं जनपद पंचायत छपारा का सराहनीय सहयोग रहा।

विकसित भारत संकल्प यात्राः दिलाई भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ

वंचित हितग्राहियों को लाभ दिलाने की कार्यवाही की गई

मंडला यशोः- प्रत्येक पात्र व्यक्ति को केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए उसे लाभान्वित करने के उद्देश्य से आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा 23 दिसंबर को बिछिया विकासखंड के ग्राम हर्राभाट एवं कोको, बीजाडांडी में सांगवा एवं भटाडुंगरिया, मवई में छपरतला एवं घोंटा, मोहगांव में बोड़ासिल्ली एवं मुंगवानी, नैनपुर में चीचगांव एवं चमरवाही, नारायणगंज विकासखंड के ब हनी एवं परतला, मंडला विकासखंड के मानादेई एवं खापाकला पंचायत पहुंची जहां पर स्थानीय लोगों द्वारा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रश्नमंच तथा खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया तथा शासन के विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों द्वारा विभिन्न योजनाओं से उनके जीवन में आए बदलाव से संबंधित अनुभव साझा किए गए। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के सफल प्रतिभागियों को पुरूस्कृत किया गया। साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को हितलाभ प्रदान किए गए। शासन की विविध योजनाओं के तहत वंचित हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें लाभ दिलाने की कार्यवाही की गई। कार्यक्रम में उपस्थितजनों को भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणजनों को विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाईयों का वितरण किया गया। विकसित भारत संकल्प यात्रा का समापन 26 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर होगा।

पिछले वर्ष की तुलना में 7.5 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाओं में हुई कमी

21.47 घायलों की सं या और मृत्यु दर में 1.4 प्रतिशत की कमी सांसद की अध्यक्षता में हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

वहीं पीडब्ल्यूडी ने डेंजर रोड पर कार्य पूर्ण करने के लिये अभी 10 दिन का समय मांगा है। इस कार्य को पूर्ण करने के लिये वे स्वयं एसपी श्री समीर सौरभ अपने अमले के साथ विजीट करेंगे साथ ही पृथक कसे बस और ट्रक ऑपरेटर्स के साथ बैठक में ही निर्णय करेंगे।

बालाघाट । क्षेत्रीय सांसद डॉ. ढालसिंह बिसेन की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला परिवहन विभाग द्वारा वर्ष 2021-22 और 23 में हुई संड़क दुर्घटनाओं घायल और मृत्यु मामलों की तुलनात्मक जानकारी रखी गई। बैठक के मुल बिंदुओं के बारे में परिवहन विभाग के उप निरीक्षक श्री पंकज कुमार जैन ने विभिन्न बिंदु रखे गये। जिसके अनुसार वर्ष 2022 की तुलना में 2023 में सड़क दुर्घटनाओं के संबंध में पुरा तुलनात्मक डेटा रखा गया। जिसमें बताया गया कि तुलनात्मक अध्ययन में देखे तो सड़क दुर्घटनाओं में 7.5 प्रतिशत, घायलों की सं या 21.47 और मृत?यु दर में 1.4 प्रतिशत की कमी हुई है। इतना ही नही गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 12717 चालानी कार्यवाही में 52 लाख 34 हजार 850 रुपये की वृद्धि हुई है। बैठक में मु य रूप से जिला मु यालय आने वाले विभिन्न मार्गो पर यातायात नियमों के संकेतकों और सड़को के सुधार के संबंध में मामले संज्ञान में लाये गये। बैठक में कटंगी विधायक श्री गौरव पारधी, नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, जिपं सीईओ श्री डीएस रणदा, एडीएम श्री ओपी सनोडिया, एएसपी श्री विजय सिंह डावर संबंधित विभागों के अधिकारी और बस ऑपरेटर्स व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।सरेखा ओवरब्रिज निर्माण के लिये यातायात बंद करने से पूर्व कले ?टर एसपी करेंगे निरीक्षणबैठक के दौरान शहर के निर्माणाधीन ओवरब्रिज सरेखा रेलवे क्रासिंग के अंडरब्रिज का निर्माण के लिये यातायात बंद किया जाना है। इसके लिये कले टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि रेलवे द्वारा बताया गया कि अंडरपास और ओवरब्रिज दोनो एक साथ कार्य करना चाहता है। इसके लिये बायपास सर्विस रोड व गोंगलई रोड की फिलिंग करना आवश्यक है। रेलवे द्वारा यहां दो तरह के अलग-अलग पिल्लर बनाना प्रस्तावित किया है। वहीं पीडब्ल्यूडी ने डेंजर रोड पर कार्य पूर्ण करने के लिये अभी 10 दिन का समय मांगा है। इस कार्य को पूर्ण करने के लिये वे स्वयं एसपी श्री समीर सौरभ अपने अमले के साथ विजीट करेंगे साथ ही पृथक कसे बस और ट्रक ऑपरेटर्स के साथ बैठक में ही निर्णय करेंगे। साथ ही डेंजर रोड के चौड़ीकरण को लेकर भी सांसद डॉ. बिसेन ने निर्देश दिये है।बैठक में इन बिंदुओ पर हुई विस्तार से चर्चासरेखा ओवरब्रिज निर्माण के ट्राफिक डायवर्सन संविधान चौक होते हुये बैहर रोड से अवंतिबाई चौक, पीपल चौक कोसमी से लेकर बायपास संविधान चौक, बैहर रोड एवं अवंतिबाई चौक तक का अतिक्रमण हटाया जाना आदि प्रस्तावित किया गया है। साथ ही नो इंट्री के समय ट्रक, ड पर, ट्रे टर, मि सर, मशीन व अत्यावश्यक सेवाओं के वाहनों को अनुमति नगर पालिका और एसडीएम तथा डीएम द्वारा दी जा रही है। इसमें असमंजसता की स्थिति उत्पन्न हुई है। इसलिये नो इंट्री की अनुमति अब किसी एक अधिकारी द्वारा दी जायेगी। इस तरह शहर के यातायात व्यवस्था को लेकर करीब 14 बिंदुओ पर विस्तार से चर्चा की गई।

विमुक्त, घुमक्कड़ और अर्द्ध-घुमक्कड़ वर्गों के शैक्षणिक विकास के लिये 140 आवासीय संस्थानों का संचालन

भोपाल । प्रदेश में विमुक्त, घुमक्कड़ और अर्द्ध-घुमक्कड़ वर्ग के शैक्षणिक कल्याण के लिये विभाग द्वारा 140 छात्रावास, आश्रम और सामुदायिक केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। यह केन्द्र प्रदेश के 29 जिलों में संचालित हो रहे हैं। यह जिले इन वर्गों की बहुलता के कारण चिन्हित किये गये हैं। इन केन्द्रों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा के साथ निःशुल्क भोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

सामुदायिक कल्याण के लिये अधो-संरचना के कार्यों को प्राथमिकता

विभाग द्वारा इन वर्गों को अधो-संरचना संबंधी सुविधा उपलब्ध कराये जाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बाहुल्य बस्तियों में बुनियादी सुविधाएँ जैसे सी.सी. रोड. पक्की नाली, मांगलिक भवन, चबूतरा निर्माण, पेयजल, सार्वजनिक प्रसाधन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। वर्ष 2022-23 में इन क्षेत्रों में 51 लघु निर्माण कार्य करवाये गये। इस वर्ष 2023-24 में 56 लघु निर्माण कार्यों पर राशि खर्च की गई। इस वर्ष इन कार्यों पर 5 करोड़ 16 लाख रूपये का विभागीय बजट में प्रावधान किया गया है।

दैनिक यशोन्नति की और खबरों तथा वीडिओ के लिये एप डाउनलोड करें -https://dainikyashonnati. com

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा, नवीन प्रिंटर्स बीझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-yasonati@gmail.com न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297